

बिहार में वेटलैंड्स की देखरेख के लिये आर्द्रभूमिभित्ति (केयरटेकर) का होगा का चयन चर्चा में क्यों?

- 10 सितंबर, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार बिहार में 45 वेटलैंड्स का हेल्थ कार्ड बनाया जा रहा है तथा वेटलैंड्स की देखरेख के लिये आर्द्रभूमिभित्ति (केयरटेकर) का चयन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के 10 जिलों में करीब 10 हजार 778 हेक्टेयर में फैले 45 वेटलैंड्स का हेल्थ कार्ड बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य इनके विकास सहित उपयोग की कार्य योजना बनाना है।
- इन दस जिलों में मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, खगड़िया, समस्तीपुर, पूर्णिया, कटहिर, भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय, बक्सर शामिल हैं। इनमें से समस्तीपुर जिले में सबसे अधिक 11 वेटलैंड्स करीब 3910 हेक्टेयर में हैं।
- राज्य चार जिलों के चार वेटलैंड्स को रामसर साइट घोषित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने की तैयारी कर रहा है। इनमें पश्चिमी चंपारण जिले में लगभग 319.7 हेक्टेयर में फैली उदयपुर झील, भागलपुर जिले में लगभग छह हजार हेक्टेयर में फैली विक्रमशाला डॉल्फिन सेंचुरी, कटहिर जिले में लगभग 137 हेक्टेयर में फैली गोगाबलि झील और बक्सर जिले में लगभग 125 हेक्टेयर में फैला गोकुल जलाशय शामिल हैं।
- फलिहाल राज्य में बेगूसराय जिले का कांवरताल रामसर साइट घोषित किया जा चुका है।
- क्या है रामसर साइट?
- रामसर साइट अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले वेटलैंड्स को घोषित किया जाता है। विश्व के रामसर साइट घोषित वेटलैंड्स के संरक्षण और उसे बढ़ावा देने के लिये यूनेस्को सहित विश्व की अन्य संस्थाओं द्वारा सहयोग किया जाता है। ईरान के रामसर में साल 1971 को वेटलैंड्स सम्मेलन हुआ था। उसमें कई देशों ने संघर्ष हस्ताक्षर किये, जसिमें भारत भी शामिल था।

